प्रकाशनार्थ

भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान में हिंदी कार्यशाला संपन्न

भाकृअनुप - भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 13 फरवरी, 2019 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. महेश कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित थे। डॉ. गुरुराज कट्टी, प्रभारी निदेशक, भाचाअनुसं ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। कार्यशाला के प्रारंभ में श्री ए के माहेश्वरी, वित्त एवं लेखा अधिकारी, भाचाअनुसं ने समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें आगे बढ़ाने हेतु उक्त कार्यशाला से लाभ उठाने हेतु आग्रह किया।

डॉ. महेश कुमार ने *भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों के साथ उसका कार्यान्वयन* विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनयम 1963, राजभाषा नियम 1976 के संबंध में विस्तृत से जानकारी प्रदान की। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों का प्रयोग करके आसानी के साथ राजभाषा कार्यान्वयन हेतु निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संस्थान के पदाधिकारियों को प्रेरित किया। कार्यशाला के दौरान डॉ. महेश कुमार ने उक्त उपकरणों के सक्रियन एवं उन पर कार्य करने की विधि पर प्रकाश डाला।

डॉ. कट्टी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि इस संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने हेतु इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन आवश्यक है ताकि हिंदी में कार्य करने हेतु सक्षम अधिकारियों/कर्मचारियों की झिझक को दूर किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने यह निदेश दिए कि उक्त सक्रियन की विधि एवं आलेखन व टिप्पण के विभिन्न प्रारूपों को सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उपलब्ध करा दिए जाएं, ताकि वे इनका अधिक से अधिक उपयोग कर सके। अंत में श्रीमती वनिता, प्रवर श्रेणी लिपिक, भाचाअनुसं के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यशाला का समापन हुआ। उक्त कार्यशाला में वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक पदाधिकारी शामिल कुल 35 सहभागियों ने भाग लिया। इस पूरी कार्यशाला का समन्वय एवं संचालन डॉ. वोलेटी, निदेशक, भाचाअनुसं के दिशा-निर्देश में श्री बी सतीश, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा श्रीमती वनिता के द्वारा किया गया।